BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS COMPILED BY MEDIA CELL (03.07.2025)

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR
DATE: 03.07.2025, PAGE-04

दीक्षा समारोह में टापरों को मिलेंगे गोल्ड मेडल

- स्नातक 2021-24 और पीजी 2022-24 के टापरों को मिलेगा गोल्ड मेडल
- परीक्षा नियंत्रक ने दीक्षा समारोह के आयोजन को लेकर की विभागीय बैठक

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में छह वर्षों के बाद दीक्षा समारोह के आयोजन की तैयारियां शुरू हो गई है। अगस्त के दूसरे या तीसरे सप्ताह में आयोजन की तिथि तय हो सकती है। तिथि फिलहाल तय नहीं हुई है लेकिन दीक्षा को लेकर बुधवार को परीक्षा नियंत्रक ने विभागीय तैयारी शुरू करने के लिए बैठक की। बैठक में स्नातक, पीजी, पीएचडी, ला, बीएड समेत अन्य विषयों के टापरों की संख्या और विभिन्न सत्रों के निर्धारण को लेकर चर्चा हुई। इसमें स्नातक के 27 विषयों और पीजी के 25 विषयों के टापरों को गोल्ड मेडल दिया जाएगा। साथ ही ला, बीएड, यूनानी, आयुर्वेद, होम्योपैथी के टापरों को भी मेडल मिल सकता है। पीएचडी करने वाले अभ्यर्थी भी दीक्षा समारोह में डिग्री पाएंगे। इसके लिए उन्हें रजिस्ट्रेशन कराना होगा। स्नातक के सत्र 2021 - 24 के तहत पार्ट थर्ड की परीक्षा में 27 विषयों के टापरों और पीजी सत्र 2022 - 24 के 25 विषयों के टापरों को गोल्ड मेडल मिलेगा। इसके साथ ही एक जनवरी 2024 से लेकर 30 जून 2025 तक पीएचडी पूरा करने वाले शोधार्थियों को डिग्री मिलेगी। बताया जा रहा है कि ऐसे शोधार्थियों की संख्या 160 से अधिक हो सकती है। दूसरी ओर संभावित तिथि 20 या 21 अगस्त तय होने की संभावना है। इससे पहले 2019 में एलएस कालेज मैदान में दीक्षा समारोह का आयोजन हुआ था। इसमें तत्कालीन राज्यपाल समेत अन्य गणमान्य बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए थे। परीक्षा नियंत्रक डा. राम कुमार ने बताया कि दीक्षा समारोह को लेकर विभागीय तैयारी के लिए बैठक बुलाई गई थी। इसमें कई बिंदुओं पर विचार- विमर्श किया गया है। बैठक में डिप्टी कंट्रोलर समेत परीक्षा विभाग के कर्मचारी उपस्थित हुए।

बढ़ सकता है रजिस्ट्रेशन शुल्क: इससे पहले जब दीक्षा समारोह का आयोजन हुआ था छात्र-छात्राओं को 1500 रुपये रजिस्ट्रेशन शुल्क देना पड़ा था। बताया जा रहा है कि आगामी समारोह के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क में बढ़ोतरी की जा सकती है। शुल्क में एक हजार या इससे अधिक की बढ़ोतरी हो सकती है। इस पर कोई आधिकारिक सहमति नहीं बनी है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR,
DATE: 03.07.2025, PAGE-04

समय के साथ बदली है नारियों की स्थिति

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के पीजी इतिहास विभाग में बुधवार को पीएचडी कोर्स वर्क 2022 के विद्यार्थियों के बीच नारी सशक्तिकरण और सामाजिक क्रांति एक ऐतिहासिक सर्वेक्षण विषय पर एक व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. अपर्णा कुमारी ने कहा कि भारतीय इतिहास में नारी की स्थिति समय के साथ बदलती रही है। पर्दा प्रथा, बाल विवाह, सती प्रथा और जौहर जैसे अमानवीय रिवाजों ने महिलाओं को घर की चारदीवारी तक सीमित कर दिया। सावित्रीबाई फुले, पंडिता रमाबाई, सरोजिनी नायडू, कस्तूरबा गांधी जैसी अनेक महिलाओं ने न केवल समाज में शिक्षा और जागरूकता का प्रसार किया, बल्कि स्वतंत्रता आंदोलन में भी अग्रणी भूमिका निभाई। इस मौके पर विभागाध्यक्षा प्रो. रेणु कुमारी, डा. शिवेश कुमार, डा. कहकशां, डा.अर्चना पाण्डेय, डा. सत्य प्रकाश राय, डा. गौतम चंद्रा, डा. अंशु त्यागी सहित शोधार्थी हिमांशु, अन्नू, मणिरंजन, अनुराग, अनामिका, खुशबू, पूजा, निशांत, चंदन, बाबुल व अन्य रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करतीं मुख्य वक्ता प्रो. अर्पणा कुमारी● जागरण

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE:03.07.2025, PAGE-04

बीआरएबीयू के इतिहास विभाग में कार्यक्रम, वक्ताओं ने रखे विचार

महिलाएं सशक्तीकरण की राह पर बढ़ रहीं, पर चुनौतियां हैं बरकरार

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरएबीयू के इतिहास विभाग में पीएचडी कोर्स वर्क- 2022 के शोधार्थियों के लिए नारी सशक्तीकरण और सामाजिक क्रांतिः एक ऐतिहासिक सर्वेक्षण विषय पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया.

इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो अपर्णा कुमारी, पूर्व संकायाध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान एवं विभागाध्यक्ष, विश्वविद्यालय इतिहास विभाग ने संबोधित किया. अपने संबोधन में प्रो अपर्णा ने भारतीय इतिहास में नारी की बदलती स्थिति पर प्रकाश डाला. उन्होंने बताया कि ऋग्वैदिक काल में गार्गी, मैत्रेयी जैसी विदुषी महिलाओं ने

विवि के इतिहास विभाग में सेमिनार को संबोधित करती प्रो अर्पणा व मौजूद शिक्षक.

शिक्षा और विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभायी, जो महिलाओं की सशक्त छवि को दर्शाती है. हालांकि, मध्यकाल में विदेशी आक्रमणों और रूढ़िवादी सामाजिक नियमों के कारण महिलाओं की स्थिति में गिरावट आयी, जिससे पर्दा प्रथा, बाल विवाह और सती प्रथा जैसी कुप्रथाएं प्रचलित हुई. प्रो. कुमारी ने आधुनिक युग में सामाजिक सुधार आंदोलनों और स्वतंत्रता संग्राम के दौरान नारी सशक्तिकरण में आयी तेजी के बारे में बताया. उन्होंने सावित्रीबाई फुले और सरोजिनी नायडू जैसी शिक्षित महिलाओं के योगदान को विशेष रूप से सराहा, जिन्होंने शिक्षा के प्रसार और स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी. उन्होंने निष्कर्ष के तौर पर कहा कि वर्तमान में महिलाओं को संवैधानिक अधिकार प्राप्त हैं और वे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रही हैं, लेकिन अंधविश्वास, अशिक्षा और लैंगिक भेदभाव जैसी बाधाएं आज भी उनकी प्रगति में चुनौती बनी हुई हैं. विभागाध्यक्ष प्रो रेणु ने व्याख्यानमाला को शोधार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक बताया और कहा कि इसने नारी विमर्श पर एक नयी सोच को प्रेरित किया है.

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE:03.07.2025, PAGE-04

विवि में सहायक प्रोफेसरों की काउंसेलिंग 8 व 9 को

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग द्वारा चयनित इंग्लिश व होम साइंस विषयों के सहायक प्रोफेसरों की काउंसेलिंग बीआरएबीयू में 8 व 9 जुलाई को होगी. काउंसेलिंग के लिए चयनित अभ्यर्थियों को शैक्षणिक सहित 16 प्रकार के दस्तावेज लाने को कहा गया है. हालांकि, इन दस्तावेजों की सूची में अनुभव प्रमाण पत्र का उल्लेख नहीं होने से अभ्यर्थियों में असमंजस की स्थिति है. बता दें कि पूर्व में फर्जी अनुभव प्रमाण पत्रों के आधार पर राज्य के कई विश्वविद्यालयों में नियुक्तियों के मामले सामने आये थे. इसके बाद आयोग ने गहन जांच के निर्देश दिये थे. पहले से नियुक्त शिक्षकों के अनुभव प्रमाण पत्रों की भी जांच होनी थी, जिसके लिए विश्वविद्यालय स्तर पर कमेटियों का गठन भी किया गया था. लेकिन, इनमें से किसी की भी जांच पूरी नहीं हो सकी. यह मामला तब और सामने आया जब विश्वविद्यालय ने कॉलेजों से अनुभव प्रमाण पत्र जारी करने का रिकॉर्ड मांगा, जिसमें यह खुलासा हुआ कि कुछ कॉलेजों ने एक ही समय में थोक के भाव अनुभव प्रमाण पत्र जारी किए थे.

अनुभव प्रमाण पत्र को लेकर असमंजस

ये दस्तावेज हैं जरूरी

- यूनिवर्सिटी से जारी पेपर वेरिफिकेशन लेटर
- मैट्रिक से लेकर उच्च शिक्षा तक की मार्कशीट और सर्टिफिकेट
- कैरेक्टर सर्टिफिकेट
- यदि कहीं कार्यरत हैं तो नियोक्ता का अनापत्ति प्रमाण पत्र
- वर्थ सर्टिफिकेट
- जाति प्रमाण पत्र (यदि लागू हो)
- बीसी और इबीसी के लिए नॉन-क्रीमी लेयर सर्टिफिकेट
- डोमिसाइल सर्टिफिकेट
- फोटो पहचान पत्र
- आयोग से इंटरव्यू के लिए जारी कॉल लेटर
- मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट
- फ्रीडम फाइटर वार्ड सर्टिफिकेट (यदि लागू हो)
- दिव्यांगता प्रमाण पत्र (यदि लागू हो)
- दो पासपोर्ट साइज फोटो
- अंडरटेकिंग

अतिथि शिक्षकों की सेवा नवीनीकरण प्रक्रिया शुरू

मुजफ्फरपुर. बीआरएबीयू में अतिथि शिक्षकों के शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए सेवा नवीनीकरण की प्रक्रिया बुधवार को शुरू हो गयी. गेस्ट हाउस में चयन समिति की बैठक हुई, जिसमें पहले दिन मानविकी संकाय के विषयों व रसायनशास्त्र के अतिथि शिक्षकों की सेवा नवीनीकरण पर विचार किया गया. इस प्रक्रिया के तहत, संबंधित कॉलेजों की अनुशंसा के आधार पर चयन समिति ने विभिन्न जरूरी औपचारिकताओं को पूरा किया. बैठक में संबंधित संकाय के डीन, विषय के पीजी विभागाध्यक्ष व कमेटी के अन्य सदस्य उपस्थित थे. विवि प्रशासन ने बताया कि अतिथि शिक्षकों के सेवा नवीनीकरण की यह प्रक्रिया इसी सप्ताह पूरी कर ली जाएगी, जिससे आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए अध्यापन कार्य सुचारू रूप से चल सके.

अनुभव प्रमाण पत्र की भी होगी जांच

रजिस्ट्रार डॉ समीर शर्मा ने बताया कि आयोग से अनुशंसित सहायक प्रोफेसरों के सभी दस्तावेजों की गहन जांच की जाएगी, जिनके आधार पर उनका चयन हुआ है. उन्होंने स्पष्ट किया कि अनुभव प्रमाण पत्र को लेकर पूर्व में सामने आए मामलों के बाद बिहार राज्य विवि सेवा आयोग ने विवि स्तर पर नियुक्ति से पहले जांच के आदेश दिए हैं. रजिस्ट्रार ने बताया कि अनुभव प्रमाण पत्र के लिए मानक भी तय हैं और इन्हीं के आधार पर अभ्यर्थियों के अनुभव प्रमाण पत्रों का सत्यापन किया जाएगा.

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE:03.07.2025, PAGE-04

इस्ट जोन और ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी खेलकूद के लिए दावा

बीआरएबीयू ने कहा-हम हैं तैयार कर सकते हैं स्पर्धा की मेजबानी

एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी (एआइयू) नयी दिल्ली को भेजा है प्रस्ताव

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरएबीयू एक बार फिर बड़े स्तर की खेल प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने की तैयारी में है. विवि ने पहली बार इस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी व ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी खेलकूद प्रतियोगिताओं की मेजबानी के लिए दो लोकप्रिय खेलों, वॉलीबॉल व कबड्डी में अपनी दावेदारी पेश की है. कुलपति प्रो डीसी राय के मार्गदर्शन में, विवि ने पूर्वी क्षेत्र व अखिल भारतीय स्तर पर महिला और पुरुष दोनों वर्गों में वॉलीबॉल या कबड्डी प्रतियोगिता की मेजबानी प्राप्त करने का प्रस्ताव एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी (एआइयू) नयी दिल्ली को भेजा है. यह कदम पिछले साल विवि को मिली सफल मेजबानी से प्रेरित है, जब इस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया था. विवि के बेहतर प्रबंधन और आयोजन क्षमता ने आयोजकों को प्रभावित किया था, जिससे उत्साहित होकर इस बार दोबारा बड़ी प्रतियोगिताओं की मेजबानी के लिए प्रस्ताव भेजा गया है.

खबर वेबसाइट पर पढ़ने के लिए क्यूआर को स्कैन कर लें.

प्रस्ताव स्वीकार हुआ तो ये बड़ी उपलब्धि : स्पोर्ट्स काउंसिल के सचिव डॉ कांतेश कुमार ने बताया कि वॉलीबॉल व कबड्डी दोनों ही खेल इस क्षेत्र में बेहद लोकप्रिय हैं. साथ ही, विवि की टीमें इन दोनों ही खेलों में लगातार शानदार प्रदर्शन करती रही हैं. उन्होंने कहा कि इन खेलों की लोकप्रियता व विवि की टीमों के बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए ही इस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी व ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिताओं के लिए दावेदारी की गयी है. यदि यह प्रस्ताव स्वीकार हो जाता है, तो यह बड़ी उपलब्धि होगी.

छह साल बाद दीक्षांत की तैयारी तेज, अगस्त में होगा आयोजन

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरएबीयू में छह साल के लंबे अंतराल के बाद दीक्षांत समारोह के आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गयी हैं. विवि प्रशासन अगस्त के दूसरे या तीसरे सप्ताह में समारोह की संभावित तिथि 20 या 21 अगस्त पर विचार कर रहा है. इससे पहले आखिरी दीक्षांत समारोह 2019 में एलएस कॉलेज मैदान पर आयोजित किया गया था. इसमें तत्कालीन राज्यपाल सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए थे. परीक्षा नियंत्रक डॉ राम कुमार की अध्यक्षता में अहम बैठक हुई. बैठक में स्नातक, स्नातकोत्तर (पीजी), पीएचडी, विधि (लॉ) व बीएड सहित विभिन्न विषयों के टॉपर्स की संख्या और अलग-अलग सत्रों के निर्धारण को लेकर विस्तृत चर्चा हुई.

गोल्ड मेडल व डिग्रियों के लिए रजिस्ट्रेशन

दीक्षांत समारोह में स्नातक के 27 विषय व पीजी के 25 विषयों के टॉपर्स को गोल्ड मेडल मिलेगा. इसके अतिरिक्त, लॉ, बीएड, यूनानी, आयुर्वेद व होम्योपैथी के टॉपर्स को भी मेडल मिलने की संभावना है. जो छात्र पीएचडी कर चुके हैं, वे भी इस समारोह में अपनी डिग्री प्राप्त कर सकेंगे. इसके लिए उन्हें विवि में अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा. खासकर, स्नातक सत्र 2021-24 के पार्ट थर्ड की परीक्षा में 27 विषयों के टॉपर्स और पीजी सत्र 2022-24 के 25 विषयों के टॉपर्स को गोल्ड मेडल दिये जायेंगे.